सांध्य दैनिक
4PM

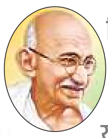

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 12 • अंक 219 पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार 16 सितम्बर, 2026

टी20 में भारत की अफगानिस्तान पर लगातार... 7 | टीवीके सरकार पर तलिनाडु में... 3 | यूसीसी जनता का ध्यान भटकाने... 2

एनडीए सरकार अब यूपीआई से काटेगी आमजन की जेब!

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर उठाए सवाल

- अंग्रेज़ों की फ्री वाली चाय के इको सिस्टम को फालो करता यूपीआई
- यूपीआई के कुल ट्रांजेक्शन वैल्यू का 65 परसेंट इन्हीं 2 हजार रुपये वालों से आता है
- यूपीआई की फ्री क्रांति से एमडीआर तक का सफर सिर्फ 4पीएम पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंग्रेज जब भारत में चाय का बाजार खड़ा कर रहे थे तो उन्होंने सिर्फ चाय नहीं बेची पहले चाय पीने की आदत बेची। मुफ्त में चाय पिलायी गई जगह जगह चाय का स्वाद पहुंचाया गया और धीरे धीरे वह चाय जो कभी भी भारतीयों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा नहीं थी जरूरत बनती चली गयी। फिर बाजार तैयार हुआ और उस आदत के इर्द गिर्द पूरा कारोबार खड़ा हो गया।

अब एमडीआर के बाद यूपीआई की कहानी को भी जनता उसी अंग्रेजों द्वारा बनाये गये आर्थिक नजरिए से देख रही है। पहले सुविधा दी गयी स्कैन करो पैसा भेजो कोई चार्ज नहीं। चाय की उस पहली मुफ्त प्याली की तरह यूपीआई ने भी लोगों को एक नई आदत से परिचित कराया। धीरे धीरे यह सिर्फ एक डिजिटल सुविधा नहीं रही बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी की जरूरत बन गई। सब्जी वाला हो या बड़ा शोरूम रिक्शा हो या रेस्टोरेंट एक सवाल लगभग हर जगह पहुंच गया यूपीआई है।

कैश से ज्यादा मोबाइल नेटवर्क अहम हो गया

नकदी जेब में है या नहीं इससे पहले मोबाइल में नेटवर्क है या नहीं यह ज्यादा अहम हो गया। छुट्टे पैसे का झंझट खत्म हुआ कार्ड मशीन की जरूरत कम हुई और क्यूआर कोड देश की नयी डिजिटल दुकानदारी का बोर्ड बन गया। यानी पहले लोगों को सुविधा का स्वाद मिला फिर सुविधा आदत बनी और अब उस आदत के चारों तरफ एक विशाल इकोसिस्टम के खड़े होने की शुरूआत हो रही है और शुरू हो रही है एमडीआर की कहानी। सरकार एमडीआर को टैक्स नहीं बल्कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट कहती है। ग्राहक से सीधे शुल्क नहीं लिया जा रहा लेकिन बड़े मर्चेट ट्रांजेक्शन के लिए पेमेंट इकोसिस्टम में लागत और रेवेन्यू का नया मॉडल सामने आया है। यानी मुफ्त की चाय की तरह यहां भी सवाल सिर्फ उस व्यक्ति का नहीं है जिसने पहली प्याली पी थी सवाल उस पूरे बाजार का है जो आदत पड़ जाने के बाद उसके इर्द गिर्द खड़ा हो रहा है। यूपीआई की सफलता भी यही है कि उसने पहले बाजार को मजबूर नहीं किया बाजार को अपनी तरफ खींच लिया। मुफ्त आसान और तेज भुगतान ने करोड़ों लोगों और कारोबारियों को उस व्यवस्था का हिस्सा बना दिया। अब जब डिजिटल पेमेंट देश की अर्थव्यवस्था की नसों में दौड़ने लगे हैं तो इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंक, पेमेंट, कंपनी और बाकी इकोसिस्टम के खर्च तथा कमाई का सवाल भी खड़ा हो गया है और यही से जनता के सवाल भी उठना शुरू हो गये।

> "यूपीआई से लेनदेन पर भी लगा दिया टैक्स"

आज मेर्चेंट से कल आम जनता से

अभी कहानी सिर्फ 2,000 से ऊपर के चुनिंदा मर्चेट ट्रांजेक्शन की है। सरकार ने साफ किया है कि व्यक्ति से व्यक्ति यानी पीटूपी भुगतान किसी भी रकम का हो मुफ्त रहेगा। सरकार के बदले रवैये से सवाल उठना शुरू हो गये हैं कि आज 2,000 रुपये की सीमा तय हुई है कल यह सीमा बदलेगी नहीं इसकी गारंटी क्या है? आज बड़े मर्चेट ट्रांजेक्शन पर 0.4 फीसदी एमडीआर है कल अगर पेमेंट इकोसिस्टम की लागत बढ़ी रेवेन्यू की जरूरत बढ़ी या यूपीआई के संचालन का मॉडल बदला तो क्या एमडीआर का दायरा और ट्रांजेक्शन कैटेगरीज बढ़ सकती हैं? यही वह सवाल है जिसने बहस को जन्म दिया है। क्योंकि फीस की शुरुआत हमेशा एक छोटी खिड़की से होती है फिर वही खिड़की कितनी बड़ी होगी असली सवाल यह होता है।

जीरो एमडीआर से अमेरिकियों को तकलीफ थी मोदी सरकार ने फिर घुटने टेक दिए : राहुल

राहुल गांधी ने सरकार पर सिर्फ शुल्क लगाने का आरोप नहीं लगाया बल्कि इसके पीछे अमेरिकी दबाव की पूरी कहानी जोड़ दी है। राहुल गांधी का आरोप है कि अमेरिकन कंपनियां लंबे समय से भारत की जीरो एमडीआर व्यवस्था का विरोध कर रही थीं। अब 2,000 रूपये से ऊपर के मर्चेट यूपीआई ट्रांजेक्शन पर एमडीआर का रास्ता खुलना उन्हें उसी दबाव का नतीजा नजर आ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिका के सामने एक बार फिर झुकने का आरोप लगाते हुए इसे हालिया यूएस ट्रेड डील से जोड़ दिया। राहुल के निशाने पर सिर्फ यूपीआई नहीं है। उन्होंने सरकार से पूछा है कि जब भारत में यूपीआई बिना एमडीआर के इतना बड़ा डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम खड़ा कर सकता था तो अब अचानक इसकी कीमत तय करने की जरूरत क्यों पड़ी?

किसी को फ्री, किसी से पैसे?

भारतपे के एक्स को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर ने यूपीआई पर लगने वाले एमडीआर को लेकर सवाल उठाते हुये सरकार से पूछा है कि कि अगर कोई व्यक्ति अपने दोस्त को यूपीआई से एक लाख रुपये भेजता है तो कोई शुल्क नहीं लेकिन वही व्यक्ति क्यूआर कोड स्कैन करके किसी दुकानदार को 2,500 या 3,000 रूपये देता है तो उस पर शुल्क क्यों। अशनीर के मुताबिक दोनों ही मामलों में डिजिटल सिस्टम तो वही है फिर लागत का यह फर्क किस तर्क पर है। अशनीर का तर्क है कि यूपीआई के पीछे इंफ्रास्ट्रक्चर चलाने की लागत सिर्फ इसलिए अलग नहीं हो जाती कि पैसा किसी दोस्त के खाते में जा रहा है या किसी दुकानदार के क्यूआर कोड पर। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर डिजिटल ट्रांजेक्शन का मूल इंफ्रास्ट्रक्चर वही है तो फिर मर्चेंट पेमेंट को अलग करके शुल्क लगाने का औचित्य क्या है? अशनीर ने सरकार और सिस्टम से यह भी पूछा है कि अगर यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर को चलाने में इतना खर्च हो रहा है तो उस खर्च का हिसाब भी तो सामने आना चाहिए। उनका कहना है कि सरकार अक्सर खर्च और लागत की बात करती है लेकिन यह भी बताया जाना चाहिए कि पैसा कहां खर्च हो रहा है और उसकी वास्तविक लागत कितनी है।

यूसीसी जनता का ध्यान भटकाने वाला मुद्दा : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- ये भाजपा का सांप्रदायिक षड्यंत्र है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा और उसकी सरकारों पर हमला जारी है। इसी क्रम में देश में यूसीसी लागू करने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी की बात कर रही है वो उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को लेकर बयान दिया है।

उन्होंने इसे भाजपा का ध्यान भटकाने पर वाला मुद्दा करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस यूसीसी (समान नागरिक संहिता) की बात कर रही है उसका फुल फॉर्म अंडरग्राउंड कम्युनल कांस्पिरेसी (अंडरग्राउंड सांप्रदायिक षडयंत्र) है। उन्होंने कहा कि पहले 15 लाख हर खाते में पहुंचाने और दो करोड़ नौकरी देने के पिछले वादों को भाजपा निभाए, उसके बाद नए जुमला लेकर आए।

नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात के बाद बोले मंत्री संजय निषाद, जो निषाद समाज के साथ हम उसके साथ

उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद की सोमवार को नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से मुलाकात ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। विधानसभा चुनाव के करीब छह माह शेष रहने से पूर्व इस सियासी घटनाक्रम के निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं। फिलहाल इसे निषाद पार्टी की सपा की करीबी बढ़ने से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, संजय निषाद ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। संजय ने कहा कि माता प्रसाद पांडे उनके पुराने साथी और मार्गदर्शक रहे हैं और वह उनकी सेहत का हाल जानने गए थे। उन्होंने सपा के साथ गठबंधन की संभावना पर कहा कि अगर भाजपा अपने दरवाजे बंद करती है, तो वो इस बारे में विचार करेंगे। हम उसके साथ रहेंगे जो निषाद समाज के मुद्दों को हल करेगा और सरकार से जुड़े मामलों को सुलझाने में हमारी मदद करेगा। निषाद समाज की कई मांगें अभी पूरी नहीं हुई हैं जिसके बारे में भाजपा नेतृत्व को बता दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि निषाद पार्टी से गठबंधन के बाद भाजपा ने कई सीटों पर जीत हासिल की थी। बता दें, गोंडा में एक कार्यकर्ता की हत्या के बाद संजय निषाद ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

भाजपा हटाना ही समाधान

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के भविष्य के के लिए आने वाली पीढ़ी की खुशहाली के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में है। यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। इसलिए भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना ही एकमात्र उपाय है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कोई नई योजना लागू करने में सफल नहीं हो सकी। दिखाने के लिए भी उसके पास सिर्फ समाजवादी सरकार के समय के काम है। भाजपा नफरत की राजनीति कर समाज का बंटवारा करने की साजिश करती है।

सपा के प्रदेश सचिव पर महिला बैंककर्मी ने लगाए गंभीर आरोप, अखिलेश यादव ने पद से हटाया

मथुरा में समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव राजन रिजवी के खिलाफ महिला बैंककर्मी की शिकायत पर शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज हुई है। महिला ने निजी नंबर हासिल करने, आपत्तिजनक संदेश भेजने, धमकी देने और परिवार की निगरानी कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता महिला मथुरा के स्टेट बैंक चौराहे के पास स्थित कैनरा बैंक में काम करती हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक में ग्राहक के तौर पर आने वाले राजन रिजवी का व्यवहार उन्हें असहज करता था. शिकायत के अनुसार, वह लगातार उन्हें देखने और उनके आसपास रहने की कोशिश करते थे। मामले के बाद सपा के आला कमान ने राजन रिजवी को अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव पद से हटा दिया है।

यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश का भविष्य के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में है। यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। सपा पीडीए को एकजुट करके यूपी से भाजपा सरकार का सफाया करने के संकल्पित है। उन्होंने कहा कि भाजपा कोई नई योजना लागू करने में सफल नहीं हो सकी। दिखाने के लिए भी उसके पास सिर्फ सपा के समय के काम है। भाजपा जबसे सत्ता में आई है, महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों के आंकड़ों में यूपी अव्वल नंबर पर है।

मौत तो एक दिन आनी ही है : चंद्रशेखर आजाद

» हत्या की साजिश पर बोले नगीना सीट से आसपा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नगीना। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। चंद्रशेखर ने दावा किया कि उन्हें सूचना मिली है कि एक फार्म हाउस में उनकी हत्या की साजिश रची गई है। उन्होंने सरकार से इस मामले की उच्चस्तरीय जाँच कराने की मांग की और साजिश में शामिल लोगों की भूमिका सामने लाने की मांग की है।

चंद्रशेखर आज़ाद ने वीडियो जारी कर कहा कि एक फार्म हाउस में मेरी हत्या करने का षड्यंत्र रचा गया है. चाहे यूजीसी हो या चाहे आरक्षण के विरोध में जो आंदोलन चल रहे थे मैं अकेला आजाद समाज पार्टी की ओर से एकमात्र मुखर आवाज़ होकर पूरे प्रदेश में चाहे राम लखन मौर्य का मामला हो या विनोद साहनी का, जहां-जहां पिछड़ों और दलितों पर अत्याचार हुआ है हमने कमजोरों की आवाज़ उठाने का काम किया है। जब राजनीतिक रूप से ये लोग हमें नहीं रोक पा रहे हैं तो हत्या करने का प्लान फार्म हाउस में बनाया गया है. तो सरकार को इसकी जाँच करानी चाहिए. ताकि दूध का दूध पानी का पानी हो जाए. मेरी मौत अगर आपके हाथों लिखी होगी तो हो जाएगी. लेकिन मेरे लोग साथ होंगे तो ऐसे गुंडों को यूपी से पलायन करना होगा। उन्होंने कहा कि मैं यह बात बहुत जिम्मेदारी से कह रहा हूं कि मेरे पास जो सूचनाएं और स्रोत हैं, वे गलत नहीं हैं. मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए और हत्या की साजिश से लेकर बाराबंकी हिंसा में शामिल लोगों की भूमिका सामने लाई जाए. मैं अपने साथियों से भी कहना चाहता हूं कि डरने की जरूरत नहीं है. संघर्ष जारी रहेगा. मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता।

मौत से डरकर नहीं रहा जा सकता

चंद्रशेखर ने कहा कि मौत तो एक दिन आनी है, उसे रोका नहीं जा सकता है. लेकिन, जब मैं सुरक्षा में हूं तब अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वो इस तरह की हिंसा का प्रयोग कर रहे हैं आमना-सामना कर रहे हैं. जब दिन के उजाले में चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ इस तरह का व्यवहार है तो इस प्रदेश में दलित, पिछड़े और मुस्लिमों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा होगा.।

धर्म की आजादी खत्म करके यूसीसी लागू नहीं हो सकता : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भोपाल पहुंचे। वे यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के विरोध में आयोजित एक जनसभा में शामिल होने आए थे। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून संविधान के कई प्रावधानों, जैसे अनुच्छेद 25, 26, 14 और 29 का उल्लंघन करेगा। मीडिया से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 14 और 29 के खिलाफ है, और आप धर्म की स्वतंत्रता को खत्म करके ऐसा कानून लागू नहीं कर सकते।

उन्होंने ये बातें तब कहीं जब वे यूसीसी (यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड) का समर्थन करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना कर रहे थे। हैदराबाद में पत्रकारों से बात करते हुए ओवैसी ने दावा किया कि भाजपा का यूसीसी लाने का मकसद समानता नहीं, बल्कि भारत के 18 करोड़ मुसलमानों को निशाना बनाना है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, आपको यह समझना होगा कि भाजपा समानता के लिए यूसीसी नहीं ला रही है। उन्होंने अपने राज्यों और सरकारी स्तर पर यूसीसी सिर्फ भारत के 18 करोड़ मुसलमानों को निशाना बनाने के लिए लागू किया है, ऐसा करके भाजपा और अमित शाह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 (धर्म की स्वतंत्रता) 14 (समानता का अधिकार) 26 और 29 का उल्लंघन कर रहे हैं।

धर्म और राम मंदिर के नाम पर अयोध्या के निवासियों को हुआ भारी नुकसान : नेहा बोरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने आरोप लगाया कि धर्म और राम मंदिर के नाम पर फैलाए गए डर, हिंसा और नफरत का सबसे अधिक नुकसान अयोध्या-फैजाबाद के आम लोगों को हुआ है। बोरा ने कहा कि 1990 के दशक में शुरू हुआ 'नफरत का अभियान' अयोध्या को डर का केंद्र बना गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने बच्चों और युवाओं को इस अभियान का हिस्सा बनाया, वे आज उत्तर प्रदेश में सत्ता में हैं।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का नेतृत्व करने वाले लोग आज सत्ता में हैं और युवा पीढ़ी का भविष्य खराब कर रहे हैं। उन्होंने किसी संगठन या व्यक्ति का नाम लिए बिना कहा, 'जिन लोगों ने आपके बच्चों को डर के अभियान का हिस्सा बनाया, वे आज आपके राज्य में सत्ता में बैठे हैं और उन्हीं बच्चों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं।' बोरा ने आरोप लगाया कि जब भी अयोध्या और धर्म के नाम पर हिंसा व नफरत को बढ़ावा दिया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान फैजाबाद-अयोध्या के आम निवासियों को उठाना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि मंदिर निर्माण और राजनीतिक सत्ता हासिल करने की प्रक्रिया में जिन लोगों के घर ढहाए गए और दुकानें तोड़ी गईं, वे भी इसी शहर के आम निवासी थे। बोरा ने राम मंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते

हुए कहा कि धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिरों में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाया जाने वाला चढ़ावा धर्म या मंदिरों के बजाय सत्ता में बैठे लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की बुलडोजर न्याय व्यवस्था की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि जिन लोगों के घर गिराए गए, उनमें गरीब, दलित और मुस्लिम परिवारों समेत आम लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता का प्रतीक बना बुलडोजर प्रदेश के लोगों की बेबसी का भी प्रतीक है।

बोरा ने कहा कि अयोध्या के लोग हिंसा, नफरत और लूट से छुटकारा चाहते हैं। आइसा अध्यक्ष अयोध्या में संगठन के उत्तर प्रदेश में चल रहे 'जेन-जी महाजुटान' अभियान के तहत पहुंची थीं। अभियान के तहत बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक न्याय और सरकारी भर्ती परीक्षाओं तथा नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं जैसे मुद्दों को उठाया जा रहा है। आइसा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मनीष ने बताया कि अभियान बुधवार को लखनऊ पहुंचेगा, जहां संवाददाता सम्मेलन के बाद रायबरेली और अलीगढ़ का दौरा किया जाएगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पक्षपात कर रही है उत्तर प्रदेश सरकार : अबू आजमी

» मस्जिद विध्वंस पर सपा नेता का बीजेपी पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आज़मी ने आरोप लगाया कि सहारनपुर में एक मस्जिद गिराए जाने के बाद, भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार अपने वोट बैंक को मज़बूत करने के लिए जान-बूझकर मुसलमानों को परेशान कर रही है। 15 सितंबर को बोलते हुए, आज़मी ने नियमों को चुनिंदा तरीके से लागू करने की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट ऑफिस और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आवास जैसी संपत्तियों के पास भी शायद ज़रूरी मंज़ूरी के कागज़ात नहीं हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अधिकारी सिर्फ़ मुसलमानों की संपत्तियों को निशाना बना रहे हैं। बू आज़मी ने कहा कि सहारनपुर को देखिए; एक मस्जिद जो एक सदी से ज़्यादा समय से - आज़ादी से पहले के दौर से - वहाँ मौजूद थी, उसे गिरा दिया गया। आज कलेक्ट्रेट ऑफिस भी अवैध है। अगर आप क्ष के मुख्यमंत्री के घर के लिए भी मंज़ूरी के कागज़ात मांगें, तो वे भी उपलब्ध नहीं हैं। तो, इस तरह से, आपको सिर्फ़ मुसलमानों की इमारतें ही मस्जिदें लगती हैं। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि यह... यह बस मुसलमानों का तमाशा बनाया जा रहा है। वे मुसलमानों को जितनी ज़्यादा तकलीफ़ देते हैं, उनका वोट बैंक उतना ही बढ़ता है; बस यही हो रहा है, और कुछ नहीं। सहारनपुर कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद को कोर्ट के आदेश के बाद 5 सितंबर को गिरा दिया गया। 4 सितंबर को डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट के 17 जुलाई के आदेश को चुनौती दी गई थी। मजिस्ट्रेट ने सरकारी ज़मीन पर कथित कब्ज़े और उसके गलत इस्तेमाल के लिए मस्जिद को गिराने और लगभग 6.41 करोड़ रुपये का मुआवज़ा भरने का आदेश दिया था।

टीवीके सरकार पर तलिनाडु में विपक्षी प्रहार

अन्नामलाई व उदयनिधि ने थलपति विजय को घेरा

» मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने के कार्यक्रम में 6.5 करोड़ रुपये खर्च कर दिए

» उदयनिधि बोले- राज्य की हालत बदतर कर दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में टीवीके सरकार के दो महीने के ऊपर हो गए है। सरकार पर विपक्ष पूरा हमलावर हैं। जहां डीएमके विकास कार्यो से लेकर कानून व्यवस्था पर विजय सरका को घेर रही है वही आम लोगों में भी नाराजगी दिखाई दे रही है। इस बीच वी द लीडर्स' के फाउंडर के अन्नामलाई ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के खिलाफ जमकर हमला बोला है।

उन्होंने मेट्टूर बांध से पानी छोड़े जाने के कार्यक्रम पर करीब 6.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाने को लेकर सवाल उठाए है। अन्नामलाई ने कहा कि जब राज्य सरकार पर पहले से काफी कर्ज है, तब इस तरह के खर्च की क्या जरूरत क्या थी। अन्नामलाई ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विजय की मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चेन्नई से प्राइवेट जेट के जरिए कार्यक्रम में पहुंचे। उनके मुताबिक, मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी कार्यक्रम में शामिल हो सकते थे। उन्होंने यह भी कहा कि बांध के गेट खोलने की जिम्मेदारी किसानों को दी जा सकती थी।

औद्योगिक इकाइयों ने भी जताई चिंता

औद्योगिक इकाइयों ने भी स्थिति पर चिंता जताई है। तिरुवल्लूर जिले के सेनगुंद्रम के पास सिडको महिला औद्योगिक पार्क में संचालित कारखानों के अधिकारियों ने स्थानीय बिजली बोर्ड कार्यालय की घेराबंदी की। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार कटौती और लो-वोल्टेज आपूर्ति के कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है और वित्तीय नुकसान हो रहा है। बिजली मंत्री निर्मल कुमार ने इस कमी के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन में व्यवधान को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि समस्या ने कई राज्यों को प्रभावित किया है और यह तमिलनाडु तक ही सीमित नहीं है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सामान्य बिजली वितरण नेटवर्क से राज्य के लिए आवश्यक बिजली खरीदी है। उन्होंने बताया कि गुरुवार शाम को पर्याप्त बिजली मिलने के बाद सभी क्षेत्रों में नियमित आपूर्ति बहाल कर दी गई है। रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए उदयनिधि ने कहा कि लगातार अनिर्धारित बिजली कटौती और वोल्टेज में उतार-चढ़ाव के कारण लोगों को विरोध करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने बिजली मंत्री पर संकट से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने के बजाय अनावश्यक आरोप लगाने का आरोप लगाया।

थलपति विजय कठपुतली और अयोग्य मुख्यमंत्री : उदयनिधि

विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने विजय को 'कठपुतली और अयोग्य मुख्यमंत्री' करार दिया। उन्होंने विजय की सरकार पर व्यापक बिजली कटौती और बिगड़ती कानून-व्यवस्था सहित शासन में विफल रहने का आरोप लगाया। यहां डीएमके युवा शाखा के एक पदाधिकारी के विवाह समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सरकार सत्ता में आने के शुरुआती चार महीनों में अपने चुनावी वादों में से किसी को भी पूरा करने में विफल रही है। उदयनिधि ने कहा कि तमिलनाडु के इतिहास में हमने कभी ऐसा अयोग्य और कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दूसरे दलों के विधायकों को लुभाकर सत्ता में आई। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार नई योजनाएं शुरू करने के बजाय पिछली डीएमके सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का नाम बदलकर और उन पर 'स्टिकर चिपकाकर' उन्हें अपनी योजनाओं के रूप में पेश कर रही है।

प्रशासन फ्यूज-ब्लो टीवीके सरकार

उदयनिधि ने प्रशासन को फ्यूज-ब्लो टीवीके सरकार बताते हुए कहा कि यह बिजली और आविन दूध वितरण सहित आवश्यक सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से ध्यान भटकाने वाली रणनीति बंद करने और लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

किसी भी सरकार के कामकाज का आकलन केवल घोषणाओं से नहीं बल्कि जमीन पर दिखने वाले नतीजों से होना चाहिए : अन्नामलाई

डिंडीगुल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अन्नामलाई ने कहा कि किसी भी सरकार के कामकाज का आकलन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखने वाले नतीजों से होना चाहिए। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और अस्पतालों में जरूरी मेडिकल उपकरणों की उपलब्धता जैसे मुद्दों को सरकार के प्रदर्शन का पैमाना बताया। अन्नामलाई के ताजा बयान से मुख्यमंत्री विजय और उनकी सरकार को लेकर उनके रुख में बदलाव भी दिखाई दे रहा है। बता दें कि अन्नामलाई ने अगस्त में उन्होंने तमिलनाडु की राजनीति में विजय के उभार को 'ताजी हवा के झोंके' जैसा बताया था। उन्होंने नए विधायकों के आने का स्वागत करते हुए सरकार को खुद को स्थापित करने के लिए समय देने की बात भी कही थी। हालांकि, बाद में अन्नामलाई ने सरकार के कुछ मंत्रियों पर ठेकेदारों से कमीशन मांगने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा था कि विजय भ्रष्टाचार के खिलाफ नजर आते हैं और उन्हें अपने कैबिनेट सहयोगियों पर नियंत्रण रखना चाहिए। अब मेट्टूर बांध के कार्यक्रम के खर्च और मुख्यमंत्री के निजी जेट से पहुंचने को लेकर सवाल उठाकर अन्नामलाई ने टीवीके सरकार के खिलाफ अपने हमले को और तीखा कर दिया है।

भाजपा की अपील गणपति पंडालों को फ्री बिजली मिले

तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने सरकार से राज्य भर में विनायक चतुर्थी पंडालों को मुफ्त बिजली देने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्थायी बिजली कनेक्शन के लिए ज्यादा शुल्क लेने से त्योहार के आयोजकों और भक्तों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। एक पोस्ट में, नागेंद्रन ने मशहूर तमिल कवि अववैयार के भगवान विनायक को समर्पित भक्ति गीत का जिक्र किया, जिसमें वे तमिल के तीन रूपों के आशीर्वाद के बदले दूध, शहद, दाल और चावल चढ़ाती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विनायक एक सर्वोच्च देवता हैं जो तमिल भाषा, साहित्य और संस्कृति से गहराई से जुड़े हुए हैं नागेंद्रन ने कहा कि भक्त उत्साह और धार्मिक जोश के साथ विनायक चतुर्थी मनाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार की नीतियों ने गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं कि राज्य में इस त्योहार को अप्रत्यक्ष रूप से हतोत्साहित किया जा रहा है उनके अनुसार, त्योहार के आयोजकों और आम लोगों ने शिकायत की है कि अधिकारी विनायक चतुर्थी पंडालों को अस्थायी बिजली कनेक्शन देने के लिए कमर्शियल टैरिफ कैटेगरी के तहत भारी शुल्क लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खबरों के मुताबिक, आयोजकों को अस्थायी बिजली मीटर लगवाने के लिए 3,800 रुपये और 4,000 रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट देनी पड़ रही है। इसके अलावा, बिजली की वायरिंग, विनायक की मूर्तियों की सजावट और अन्य संबंधित कामों का खर्च मिलाकर हर पंडाल के लिए कुल लागत लगभग 15,000 रुपये तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे खर्चों से छोटे सामुदायिक समूहों और स्थानीय निवासियों के लिए उत्सव आयोजित करना मुश्किल हो जाएगा, खासकर उन इलाकों में जहाँ त्योहार भक्तों से इकट्ठा किए गए चंदे से मनाया जाता है।

आंध्र प्रदेश की तरह तमिलनाडु को मिले सुविधा

पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से तुलना करते हुए, नागेंद्रन ने दावा किया कि वहां की सरकार बिना किसी कड़े नियम-शर्त के विनायक चतुर्थी समारोह के लिए मुफ्त बिजली देकर भक्तों को प्रोत्साहित कर रही है। इसके विपरीत, उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में अपनाए गए रवैये से जनता के बीच यह धारणा बनी है कि सरकार हिंदुओं के धार्मिक और पूजा के अधिकारों को कम करने की कोशिश कर रही है। नागेंद्रन ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सरकार से त्योहार के पंडालों को दिए जाने वाले अस्थायी कनेक्शन के लिए कमर्शियल टैरिफ सिस्टम को तुरंत बंद करने की मांग की। उन्होंने सरकार से बिजली अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया, ताकि सभी विनायक चतुर्थी पंडालों को बिना किसी अतिरिक्त शर्त के मुफ्त बिजली मिल सके और तमिलनाडु भर के श्रद्धालु बिना किसी आर्थिक परेशानी के यह त्योहार मना सकें।

बिजली संकट पर घिरी थलपति विजय

तमिलनाडु में बिजली संकट गहरा गया है। ऐसे में तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पिछले दो दिनों में राज्य भर में बिजली कटौती और कम वोल्टेज की शिकायतों में वृद्धि के बाद तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार की आलोचना की है। कई जिलों के लोग सड़कों पर उतर आए हैं और आरोप लगाया है कि लंबे समय तक बिजली गुल रहने से उनका दैनिक जीवन बाधित हुआ है और वाणिज्यिक एवं औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। तिरुनेलवेली जिले में मुदलियारपट्टी और आसपास के इलाकों के लोगों ने बिजली सप्लाई में बार-बार रुकावट के विरोध में रात में मशालें और मोमबत्तियां लेकर प्रदर्शन किया। तिरुचि जिले के श्रीरंगम विधानसभा क्षेत्र में अम्मापेट्टई और उत्तरी अरियावुर के निवासियों ने लगातार दूसरे दिन भी सड़क नाकाबंदी जारी रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद अधिकारी बिजली सप्लाई की लगातार समस्याओं को हल करने में विफल रहे हैं। इसी तरह का विरोध प्रदर्शन करूर जिले के कदावुर के पास आयोजित किया गया, जहां लोगों ने दावा किया कि 10 दिनों से अधिक समय से नियमित रूप से चार से छह घंटे के बीच बिजली कटौती हो रही थी। नामक्कल जिले के पुदुकोट्टई और रासीपुरम इलाकों में भी लोगों को एक घंटे से अधिक समय तक अनिर्धारित कटौती जारी रहने के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ा।

तमिलनाडु में लोग रोजमर्रा की समस्याओं से जूझ रहे

उन्होंने कहा कि आज पूरे तमिलनाडु में लोग रोजमर्रा की समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें बार-बार होने वाली बिजली कटौती, चावल और दाल जैसी जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतें तथा बिगड़ती कानून-व्यवस्था शामिल हैं। इन मुद्दों पर सवाल पूछे जाने पर मुख्यमंत्री जवाब देने में असमर्थ रहते हैं और इसके बजाय हमारी पार्टी और नेतृत्व के खिलाफ बदनाम करने वाले बयान देने लगते हैं। दो विधानसभा सीटों पर होने वाले आगामी उपचुनावों का जिक्र करते हुए उदयनिधि ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सत्तारूढ़ सरकार को निर्णायक शिकस्त देने के लिए इन चुनावों का इस्तेमाल करने का आह्वान किया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

हिंदी का सम्मान ही भारतीय भाषाओं की असली ताकत

वर्तमान में हिन्दी भारत की सीमाओं से बाहर निकलकर विश्व के कई देशों में अपना परचम स्थापित कर रही है। यह हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पर अफसोस अपने ही देश में हिंदी के नाम पर भेदभाव होना अब भी जारी है। सबसे बड़ी हिंदी की तरफदारी करने वाली वर्तमान सरकार भी पूरी तरह हिंदी को प्रशासनिक भाषा बनवाने में नाकाम नहीं है। ये ठीक है कि दुनिया में अंग्रेजी सब जगह बोली जाती है। इसलिए उसका प्रयोग किया जाता है। पर विदेश यात्राओं में तो ये उचित है पर अपने देश में हिंदी को अभी भी उस सम्मान इंतजार है जिसका की वो हकदार है। हिंदी का सम्मान ही भारतीय भाषाओं और संस्कृति की असली ताकत है। देखा जाए तो आज भारतीय मूल के व्यक्ति हिंदी के विस्तार में अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। इतना ही नहीं अमेरिका, चीन सहित विश्व के लगभग 11 देशों में हिन्दी के समाचार पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि हिंदी भारतीय संस्कृति, संवेदना और आत्मीयता का वैश्विक स्वर बनती जा रही है। यह भाषा भारत की मिट्टी से जन्म लेकर आज विश्व के अनेक देशों में संवाद, साहित्य, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक जुड़ाव का माध्यम बन रही है।

हिन्दी की यह यात्रा केवल शब्दों के विस्तार की यात्रा नहीं है, यह भारत की उस सांस्कृतिक चेतना का विस्तार है, जिसने सदियों से सम्पूर्ण विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है। हिन्दी की शक्ति उसके विशाल शब्द भंडार और उसकी आत्मीयता में भी है। यह भाषा सहजता से लोगों को जोड़ती है। भारत से बाहर बसे भारतीय समुदायों ने हिन्दी को अपनी जड़ों से जोड़े रखने का महत्वपूर्ण माध्यम बनाया है। मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना तथा दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में भारतीय मूल के लोगों ने हिन्दी के सांस्कृतिक प्रकाश को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है। मॉरीशस हिन्दी की वैश्विक यात्रा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहाँ हिन्दी का अध्ययन विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में होता है। साहित्यिक गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों और भारतीय परंपराओं से जुड़े कार्यक्रमों में हिन्दी का विशेष स्थान दिखाई देता है। मॉरीशस में हिन्दी का विस्तार यह प्रमाणित करता है कि भाषा भौगोलिक सीमाओं से बाहर निकलकर भावनाओं और संस्कारों की जीवंत धारा है। फिजी में हिन्दी का एक विशिष्ट रूप 'फिजियन हिन्दी' के रूप में विकसित हुआ है। भारतीय मूल के लोगों के बीच यह संवाद और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम बनी। आज के समय में हिन्दी का प्रभाव भारतीय मूल के समुदाय से बाहर निकल रहा है, की आबादी तक सीमित नहीं है। आज यह अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में हिन्दी सीखने और समझने वालों की संख्या लगातार बढ़ी है।

"हिंदी का सम्मान ही भारतीय भाषाओं और संस्कृति की असली ताकत है। देखा जाए तो आज भारतीय मूल के व्यक्ति हिंदी के विस्तार में अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। इतना ही नहीं अमेरिका, चीन सहित विश्व के लगभग 11 देशों में हिन्दी के समाचार पत्र प्रकाशित हो रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अनसुनी न करें हिमालय की चेतावनियों को

दिनेश सी शर्मा

हिमालय लगातार खतरनाक आपदाओं के रूप में एक के बाद एक चेतावनियां दे रहा है जैसे अचानक बाढ़, हिमस्खलन, ग्लेशियल झील के फटने से आई बाढ़, बादल फटना, भूस्खलन और ज़मीन का बुरी तरह धंसना। हमने केदारनाथ, धौलीगंगा, जोशीमठ, सिक्किम और अब नेपाल में इन्हें होते देखा है, अपने पीछे भारी तबाही छोड़ते हुए। हर आपदा के बाद, ग्लेशियरों की निगरानी, आरंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित करने, खतरे और जोखिमों की मैपिंग करने और बचाव संबंधी एवं नुकसान कम से कम रखने के उपाय करने की बातें होती हैं। कुछ हफ्तों या महीनों के बाद, शोर-शराबा थम जाता है और सब कुछ पहले की भांति हो जाता है। हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की जरूरत है, जिसमें वैज्ञानिक शोध, नीति-निर्माण, क्रियान्वयन तंत्र, जन-जागरूकता और समुदाय की भागीदारी शामिल हो। विज्ञान ने हिमालय के पर्यावरण, खासकर ग्लेशियरों और जल प्रणालियों से जुड़ी स्थिति के खतरों के बारे में स्पष्ट राय दी है कि क्या करने की जरूरत है और समझने में क्या कमियां हैं।

वैश्विक स्तर पर, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने कई रिपोर्टें प्रकाशित की हैं, जिनमें विभिन्न देशों से ग्लेशियरों और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र पर शोध के नतीजों को एक साथ लाया गया है। भारत में, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने रिमोट सेंसिंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 28,000 ग्लेशियल झीलों में से ज्यादा जोखिम वाली 7,500 ग्लेशियल झीलों की मैपिंग की है। साथ ही, खतरनाक हो सकने वाली ग्लेशियल झीलों से बनने वाली बाढ़ की संभावना भी तैयार की है। इसमें बाढ़ का खतरा और अगर ये झीलें कभी टूटती हैं, तो नीचे बसे इलाकों तक बाढ़ की लहरें पहुंचने में लगने वाले संभावित समय का ब्योरा भी दिया गया है। इस साल मार्च में, काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने दो अहम रिपोर्टें प्रकाशित कीं—1990 से 2020 तक हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों की बदलती गतिशीलता और एचकेएच ग्लेशियर आउटलुक 2026– हिमालयी ग्लेशियरों की 50 साल की निगरानी से मिली जानकारी। इन रिपोर्टों के नतीजे चिंताजनक हैं। पहली रिपोर्ट हिंदू कुश क्षेत्र के 63,761 ग्लेशियरों के डेटा पर आधारित थी, जो 55,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा इलाके में फैले हैं और जिनमें अनुमानित 5,700 क्यूबिक

किलोमीटर बर्फ का भंडार है। विश्लेषण से पता चला है कि इस इलाके में ग्लेशियर 1990 से लगातार सिकुड़ रहे हैं, जिससे कुल ग्लेशियर क्षेत्र में 12 प्रतिशत की कमी आई है और बर्फ के अनुमानित भंडार में 9 फीसदी की गिरावट हुई है। ग्लेशियर सिकुड़ने की रफ्तार सबसे ज़्यादा 2010 और 2020 के बीच बढ़ी, खासकर पूर्वी और मध्य हिस्सों में। सिंधु नदी बेसिन के ग्लेशियर क्षेत्र में 6 फीसदी की कमी आई, जबकि गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में क्रमश: 21 और 16 प्रतिशत की कमी देखी गई। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्लेशियर के इस तरह सिकुड़ते जाने का सीधा नतीजा सूखे के मौसम में पानी की कमी और ग्लेशियल झील के टूटने से बनी बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन और मलबे के बहाव जैसे जोखिम होंगे। निगरानी किए गए 38 ग्लेशियरों पर आधारित दूसरी रिपोर्ट संकेत देती है कि 'हिमालय के क्रायोस्फीयर (बर्फ वाले हिस्से) के कुछ हिस्से ऐसे नाज़ुक मोड़ के करीब हैं, जिसके बाद उनकी सिकुड़न को रोकना संभव नहीं होगा।' आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यामत्शो का नीति निर्माताओं के लिए सीधा संदेश था 'यह कोई दूर की समस्या नहीं है, बल्कि एक ऐसा संकट है जो वर्तमान में मुंह बाए खड़ा है, और हर गर्मी और मॉनसून में नई आपदाएं आ रही हैं। इस सदी में बर्फ घटने की दर दोगुनी हो गई है।' नेपाल में बनी नवीनतम आपदा के बाद ये शब्द लगभग भविष्यवाणी जैसे लगते हैं। ग्यामत्शो के अनुसार, 'यह अब अनदेखी की जा सकने वाली वह स्थिति नहीं रही कि अचानक से सामना हो; ये हमारा नया यथार्थ हैं।' ग्लेशियर गतिशीलता विज्ञान और 1974 से इकट्ठा किए गए सैटेलाइट एवं जमीनी डेटा के विश्लेषण पर आधारित यह शायद सबसे स्पष्ट चेतावनी थी। वैज्ञानिक डेटा विश्लेषण से और कार्रवाई न करने के गंभीर नतीजों के बारे में चेतावनी देकर अपना काम कर रहे हैं, लेकिन नीति निर्माता, राजनेता और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई या उदासीन भी रही है। दुनिया भर में, आईपीसीसी की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया सुस्त रही है, खासकर जब मुख्य मुद्दे को हल करने की बात आए—यानी ग्लोबल वार्मिंग के असर को कम करने के लिए उत्सर्जन में कटौती करना, जो सीधे तौर पर हिमालय को प्रभावित कर रहा है। क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है।

प्रादेशिक भाषाओं के सागर में गोता लगाए हिंदी

नरेश कौशल

हम एक बार फिर हिंदी दिवस मना रहे हैं। हम साल-दर-साल इसे मनाकर क्या हासिल करते हैं? सवाल यह है कि 53 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी को साल में एक दिन तक सीमित करना कितना जरूरी है? क्या हम इसे धार्मिक कर्मकांड की तरह नहीं मनाने लगे हैं...? केंद्र सरकार, बैंकों व राज्य सरकारों के दफ्तरों के लिए हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए बाकायदा बजट आता है। उन्हें कार्यक्रम की कवरेज कराकर अखबारी कतरनें और चित्र अपने हिंदी विभागों को भेजने की रस्म अदायगी करनी पड़ती है। यानी हिंदी के लिए एक दिन का कर्मकांड। अक्सर व्यंग्यकार पितृपक्ष के दौरान आने वाले इस दिन को एक स्मृति दिवस के रूप में मनाने पर तंज करते हैं। वाकई कुछ ऐसा ही कि एक दिन की याद और फिर राजरानी अंग्रेजी का वर्चस्व।

आखिर हम इस कर्मकांड से कब मुक्त होंगे? हिंदी को लेकर हमारे ये अहसास रोज क्यों नहीं जगते? हिंदी आज देश की राजभाषा है। वह बात अलग है कि कुछ राज्यों के राजनीतिक स्वार्थों की वजह से हिंदी को वह दर्जा नहीं मिल पाया जो उसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देना चाहा। महात्मा गांधी से लेकर तमाम गैर-हिंदी भाषियों के हिंदी के उत्थान के लिए दिये गए योगदान के लिए हिंदी समाज ऋणी है। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज दक्षिणी राज्यों को हिंदी से तो परहेज है मगर सात समुद्र पार से आयी साम्राज्यवाद की भाषा अंग्रेजी से कोई परेशानी नहीं है। हकीकत यह भी है कि हिंदी को जटिल व पांडित्यपूर्ण बनाने वाले लोगों की वजह से हिंदी गैर हिंदी भाषी इलाकों में लोगों की जुबान पर नहीं चढ़ पायी। अंग्रेजी से किए गए गूढ़ अनुवाद ने भी समस्या को और अधिक जटिल बनाया। वास्तव में इस देश को एक संपर्क भाषा की जरूरत है। भारत को एक महाद्वीप कहा जाता है जहां कोस-कोस पर भाषा के स्वरूप में बदलाव आ जाता है। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए कोई तो संपर्क भाषा होनी चाहिए। दुखद है कि आजादी के आठ दशक बाद भी आखिर क्यों हम हिंदी के समकक्ष ऐसी हिंदुस्तानी भाषा तैयार न कर पाये जो सबको मंजूर हो। उसमें तालमेल रखने वाले तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयाली जैसी अन्य भाषाओं के आसानी से समझ में आ सकने वाले शब्द शामिल किए जाते।

हिंदी भाषियों की भी दिक्कत है कि वे दक्षिण की भाषाएं सीखने की कोशिश नहीं करते। यह बात दक्षिण भारत के लोगों को अकसर अखरती है। यही वजह है कि जानने के बावजूद वे हिंदी बोलने से परहेज करते हैं। आज सोशल मीडिया का जमाना है। हिंदी की वीडियो देखते-देखते ही वायरल हो जाती हैं। दक्षिण भारत में भी खूब देखी व पसंद की जाती हैं। लेकिन जब हिंदी भाषा की बात आती है तो विरोध के स्वर उभरने लगते हैं। आज एआई और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने भाषा की दीवारों को तोड़ दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी खूब धड़ल्ले से देखी-पढ़ी जा रही है।

अब तो एआई से अनुवाद के जरिये हर भाषा को समझा, पढ़ा और लिखा जा सकता है। तो फिर ये भाषायी दीवारें क्यों? हकीकत में हिंदी को देशव्यापी स्वीकार्यता के लिए सहज-सरल बनाने की जरूरत है। ये काम हमारी हिंदी फिल्मों ने खूब किया। कभी किसी एक फिल्मी गीत को गुनगुनाने वाले आप को कश्मीर से कन्याकुमारी तक मिल जाएंगे। कई ऐसे शब्द हैं जो किसी शब्दकोष में न हों। लेकिन जुबान पर चढ़ जाते हैं। वजह साफ है कि बोलने की सहजता। देश के विभिन्न चैनलों में होने वाली संगीत प्रतियोगिता में गैर हिंदी भाषी इलाकों के बच्चे अधिकार से हिंदी गाने गाते हैं। उन्हें देखकर नहीं लगता कि वे अहिंदी भाषी इलाकों से आए हैं। लेकिन जब उनसे हिंदी के बारे में बात करें तो वे कह देते हैं कि वे हिंदी नहीं जानते। तो फिर वे हिंदी का गाना बखूबी कैसे गा लेते हैं? हिंदी के मठाधीशों को भी हिंदी के इस गुण का अर्थ समझना होगा। कोई भी भाषा अपने साथ सदियों के संस्कार व अनुभव समेटे हुए होती है। उस भाषा का साहित्य भाषायी संस्कारों से समृद्ध होता है। साहित्य समाज की संवेदनशीलता का पर्याय होता है। पिछले दिनों एक युवक को कहते सुना कि प्रेमचंद को पढ़ने के बाद उसका जीवन बदल गया। अच्छा साहित्य समाज में बड़े बदलाव ला सकता है। लगातार डिजिटल होती नई पीढ़ी के दौर में साहित्य से मोहभंग होना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। फटाफटी दौर में बच्चों में गंभीर अध्ययन करने व पुस्तकों के महत्व को नजरअंदाज करना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। समाज हो या परिवार, भाषा एक संपर्क साधन का काम करती है। परिवार व समाज को जोड़ने का काम भाषा बखूबी कर सकती है। भारत में विभिन्न राज्यों के लोगों को जोड़ने में अन्य भाषाओं के शब्दों वाली संपर्क भाषा जोड़ने का काम बखूबी कर सकती है। खासकर अपना भाषायी मुहावरा गढ़ने वाली नई पीढ़ी जेन-जी इस काम को बखूबी कर सकती है। आज भारत युवाओं का देश है। देश में साठ फीसदी से अधिक युवा हैं। ये युवा फर्राटे से हिंदी बोलते हैं, हिंदी समझते हैं। इनकी पसंद सोशल मीडिया, हिंदी फिल्में और ओटीटी प्लेटफार्म का मनोरंजन है। लेकिन मोबाइल पर सांकेतिक भाषा में टूटी-फूटी हिंग्लिश लिखने वाले आधे युवा ऐसे हैं कि वे हिंदी लिख-पढ़ नहीं पाते। पढ़ते हैं तो अटक-अटक कर। यह बड़ी युवा आबादी एक पेज हिंदी में नहीं लिख पाती है। ये युवा अंग्रेज बन नहीं सकते और हिंदी के हो नहीं सकते। यह एक गंभीर समस्या है और हिंदी के भविष्य के कर्णधारों को लेकर चिंता पैदा करते हैं।

जय श्री विश्वकर्मा

शिल्प-शस्त्र का जग में ज्ञान विकास किया ...

विश्वकर्मा पूजा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भगवान विश्वकर्मा को सृजन, निर्माण और वास्तुकला के देवता के रूप में हिंदू धर्म में पूजा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा विश्व के प्रथम वास्तुकार और निर्माता थे। वेदों में भी कई स्थानों पर विश्वकर्मा भगवान का जिक्र देखने को मिलता है। इसलिए उन लोगों के लिए है जो निर्माण, मशीनरी, और तकनीकी कार्यों से जुड़े हुए हैं, विश्वकर्मा पूजा बेहद अहम मानी जाती है। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर फैक्ट्री और दुकानों में मशीन, औजार आदि की पूजा करते हैं, वहीं कलम, दवात, बहीखाता, वाहन आदि की भी पूजा होती है। विश्वकर्मा पूजा उस दिन करते हैं, जिस दिन कन्या संक्रांति होती है।

तिथि और शुभ मुहूर्त

विश्वकर्मा पूजा गुरुवार, 17 सितंबर 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन कन्या संक्रांति है और पूजा का उत्तम शुभ मुहूर्त सुबह 7:15 बजे से दोपहर 4:15 बजे के बीच रहेगा, जिसमें दिनभर अपने कारखानों, औजारों और मशीनों की पूजा करना श्रेष्ठ माना जाता है। इस दिन औजारों, मशीनों, और वाहनों की पूजा कर भगवान विश्वकर्मा से जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करें।

पूजा का महत्व

विश्वकर्मा पूजा का महत्व उन लोगों के बीच बहुत अधिक है जो तकनीकी और निर्माण क्षेत्र में कार्यरत हैं, जैसे कि इंजीनियर, आर्किटेक्ट्स, मैकेनिक, और कारीगर। इस पर्व के जरिये लोग भगवान विश्वकर्मा से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और उनसे सफलता की प्रार्थना करते हैं। माना जाता है कि इस दिन, उपकरणों और मशीनों की पूजा करने से वो सुरक्षित रहती हैं और उनके जरिये कारीगरों को लाभ प्राप्त होता है। भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से व्यापार में तरक्की मिलती है। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी के आदेश पर विश्वकर्मा जी ने सृष्टि का मानचित्र बनाया था। इनको संसार का पहला इंजीनियर भी कहते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विश्वकर्मा जी ने पुष्पक विमान, द्वारका नगरी, सोने की लंका के अलावा देवी-देवताओं के अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

पूजन विधि

पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल की भी सफाई करें और गंगाजल का वहां छिड़काव करें। पूजा के लिए एक स्वच्छ और पवित्र स्थान आपको चुनना चाहिए। इस स्थान पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र आप स्थापित कर सकते हैं। पूजा स्थल को आप फूलों, आम के पत्तों और रंगोली से सजा सकते हैं।

पूजन सामग्री

पूजा के लिए आपको एक नारियल, सुपारी, पान, फूल, अगरबत्ती, दीपक, कपूर, रोली, चंदन, धूप, मिठाई, और फल आदि पहले ही पूजा स्थल के पास रख देने चाहिए। अगर आप चाहें तो जो कार्य आप करते हैं उससे जुड़े उपकरणों को भी पूजा के स्थान पर रख सकते हैं।

उपकरणों की होती है पूजा

विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने काम से जुड़े सभी उपकरणों और मशीनों की पूजा करने का भी विधान है। इन पर हल्दी, चंदन, और फूल चढ़ाकर दीपक जलाएं और भगवान विश्वकर्मा से उनकी सुरक्षा और समृद्धि की प्रार्थना करें। कई जगहों पर इस दिन छुट्टी रहती है और केवल मशीन और औजारों की पूजा की जाती है।

ऐसे करें पूजा

सबसे पहले आपको भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र पर पुष्प, चंदन, रोली, और अक्षत (अटूट चावल) अर्पित करने चाहिए। इसके बाद धूप और दीप जलाकर भगवान का ध्यान आपको करना चाहिए और उन्हें मिठाई और फल अर्पित करने चाहिए। तत्पश्चात विश्वकर्मा चालीसा, आरती और अन्य स्तोत्रों का पाठ आप कर सकते हैं। अंत में, घर के लोगों में प्रसाद वितरण करें और भगवान से अपने कार्य में सफलता और समृद्धि की प्रार्थना करें।

हंसना मना है

लड़की: दुआ करो मैं फेल हो जाऊं।
फ्रेंड: क्यों? लड़की: अब्बु ने कहा है कि 1st आयी तो लैपटॉप। 2nd आयी तो मोबाइल और फेल हो गयी तो शादी करवा दूंगा!

आदमी भगवान से: जमीन से आसमान तक रोड बना दो, भगवान: असंभव, कुछ और मांगो, आदमी: वाईफ को आज्ञाकारी और अकल्मन्द बना दो!
भगवान: रोड सिंगल बनाऊं या डबल?

पिताजी: बेटा, मेरे लिए 1 ग्लास पानी लाना, पहला लड़का पिताजी से: नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का: रहने दो पापा, ये तो है ही बत्तमीज, आप खुद लेलो और मेरे लिए भी 1 ग्लास ले आना!

साली- आपकी आंख क्यों सूजी हुई है?
जीजा- कल मैं तुम्हारी दीदी के जन्मदिन पर केक लेकर आया था,
साली- लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है? जीजा- तुम्हारी दीदी का नाम तपस्या है, साली- हां तो, जीजा- और केक वाले ने लिख दिया हैप्पी बर्थडे समस्या..

कहानी — खरगोश और चूहा

एक जंगल में एक खरगोश अपने परिवार के साथ रहता था। जहां आसपास बड़े जानवरों की संख्या ज्यादा थी। खरगोश और उसका परिवार हमेशा इस बात से डरे हुए रहते थे कि कोई जानवर आकर उन्हें नुकसान न पहुंचा दे। उन्हें अपने घर के आस-पास जरा भी हलचल सुनाई देती थी, तो वो झट से अपने बिल में छुप जाया करते थे। दूसरे जानवरों के डर से कुछ खरगोशों की मौत हो गई। यह सब देखकर खरगोश बड़ा परेशान रहता था। एक दिन घोड़ों का दल उनके घर के पास से गुजरा। घोड़ों की आवाज सुनकर सभी सहम गए और हमेशा की तरह अपने बिल में छुप गए। अपने परिवार को इस हालत में देखकर खरगोश बेहद दुखी हुआ। उसने भगवान को कोसते हुए कहा कि हे भगवान आपने हमें इतना कमजोर क्यों बनाया है। इस तरह जीने का क्या फायदा। तभी सारे खरगोशों ने मिलकर फैसला किया कि अच्छा होगा कि सब मिलकर एक साथ अपना जीवन त्याग देते हैं। सभी खरगोश इकट्ठे होकर आत्महत्या करने के लिए नदी की ओर निकल गए। नियत समय पर खरगोश और उसका पूरा परिवार नदी के पास पहुंचे। नदी के पास कई सारे चूहों के बिल थे। जब चूहों ने खरगोशों को आते देखा तो वो सभी डर गए और इधर-उधर भागने लगे। कुछ चूहे बिल में घुस गए, तो कुछ नदी में गिरकर मर गए। चारों तरफ अफरातफरी का माहौल था। ये पूरा वाकया देखकर खरगोश दंग रह गए। उन्हें इस बात का यकीन नहीं हो रहा था कि उन्हें देखकर भी किसी में दहशत हो सकती है। अब तक तो वह खुद को ही सबसे कमजोर प्राणी समझते थे और भगवान को दोष देते थे। अब खरगोशों की समझ में आ गया था कि भगवान ने दुनिया में अलग-अलग खासियत के साथ जीव-जन्तु बनाए हैं। जो जैसा है, उसे वैसे ही स्वीकार करना चाहिए। अगर किसी में कमी है, तो उसमें कुछ गुण भी हैं। हर किसी में एक जैसे गुण नहीं हो सकते। ये समझने के बाद खरगोश और उसका परिवार घर वापस लौट गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: दिन के पूर्वार्ध में कार्य आसानी से पूरे होंगे। शाम के बाद स्वास्थ्य और काम में थोड़ी सतर्कता रखें। व्यापारिक सौदों को शाम से पहले निपटाना बेहतर रहेगा।

वृषभ: दिन के पहले हिस्से में खर्च या तनाव रह सकता है, लेकिन स्थिति में सुधार आएगा। व्यापारिक साझेदारी से लाभ मिलने के योग बनेंगे। स्फूर्ति महसूस होगी।

मिथुन: दिन का पहला भाग बौद्धिक कार्यों और लाभ के लिए बेहतरीन है। विरोधियों से सावधान रहें। मार्केटिंग और मीडिया से जुड़े कामों में दिन के समय बड़ा लाभ होगा।

कर्क: कार्यक्षेत्र में व्यस्तता रहेगी। बौद्धिक क्षमता और निर्णय शक्ति में निखार आएगा। प्रॉपर्टी या रियल एस्टेट के काम पहले निपटाएं। धन संचय में सफलता मिलेगी।

सिंह: कार्यक्षेत्र में यात्राएं व नेटवर्किंग फलदायी रहेंगे। शाम के बाद ध्यान घरेलू मामलों पर केंद्रित होगा। कारोबार में दिन के समय नए क्लाइंट्स जुड़ेंगे।

कन्या: काम का दबाव अधिक हो सकता है, लेकिन आपकी कार्यकुशलता से समय पर लक्ष्य पूरे होंगे। व्यापार में रुका धन मिल सकता है, बाद में नई योजनाएं बनेंगी।

तुला: दिनभर मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। फैशन और लग्जरी आइटम्स का व्यापार करने वालों को लाभ होगा। वित्तीय लाभ के अच्छे योग हैं।

वृश्चिक: बेवजह के खर्च या भागादौड़ हो सकती है। चंद्रमा आपकी ही राशि में आकर ऊर्जा देगा। आपके व्यापारिक निर्णयों में गति आएगी। लव लाइफ में निकटता और स्पष्टता आएगी।

धनु: बड़ा आर्थिक लाभ होगा और इच्छाओं की पूर्ति होगी। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। अपने व्यापारिक सौदे पहले निपटाएं। लव पार्टनर से सरप्राइज मिल सकता है।

मकर: कार्यक्षेत्र में दिनभर आपका प्रभाव बना रहेगा। बड़े लाभ और नेटवर्किंग के योग बनेंगे। बिजनेस में अधिकारियों और बड़े क्लाइंट्स का पूरा समर्थन मिलेगा।

कुम्भ: दिन के पहले हिस्से में भाग्य का साथ मिलेगा। शाम के बाद कार्यक्षेत्र में आपकी पूछ बढ़ेगी। व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी और नए प्रोजेक्ट्स मिलेंगे।

मीन: भाग्य का साथ मिलना शुरू होगा और अड़चनें दूर होंगी। अटके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में स्थितियां आपके पक्ष में आने लगेंगी।

पहनावे को लेकर ट्रोल हो गईं दिशा पटानी

अंबानी के गणपति उत्सव में पहुंची थीं अभिनेत्री

गणेश चतुर्थी को हर साल की तरह इस बार भी अंबानी परिवार ने गणेशोत्सव का आयोजन किया। इस समारोह में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पटानी भी पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने जो आउटफिट पहना था उसे लेकर सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दिशा पटानी गणेश चतुर्थी के अवसर पर अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में पहुंची थीं।

इस दौरान उन्होंने लाल लहंगे और डीप नेकलाइन वाले ब्लाउज पहन रखा है। एक्ट्रेस के पार्टी में शामिल होने का वीडियो वायरल ही गया। इसके बाद कई यूजर्स ने उनके पहनावे पर सवाल उठाये इस वीडियो के वायरल होने के बाद यूजर्स इस पर मिली- जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'गणपति उत्सव के लिए ये किस तरह का भद्दा पहनावा है? उन्हें ड्रेस कोड रखना चाहिए।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'पहले कृति सैनन और अब दिशा पटानी - क्या उन्होंने जो ड्रेस पहनी है वह गणपति उत्सव के लिए उपयुक्त है? इन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को हिंदू त्योहारों की पवित्रता का जरा भी सम्मान नहीं है।' तीसरे यूजर ने लिखा, गणपति उत्सव में दिशा पटानी की उपस्थिति एक सीधा सा सवाल खड़ा करती है- क्या धार्मिक समारोहों में कोई बुनियादी ड्रेस कोड नहीं होना चाहिए? आप वहां गणपति दर्शन और भक्ति के लिए हैं, रैंप वॉक के लिए नहीं। मैं इस अवसर की पवित्रता का सम्मान करती हूं।

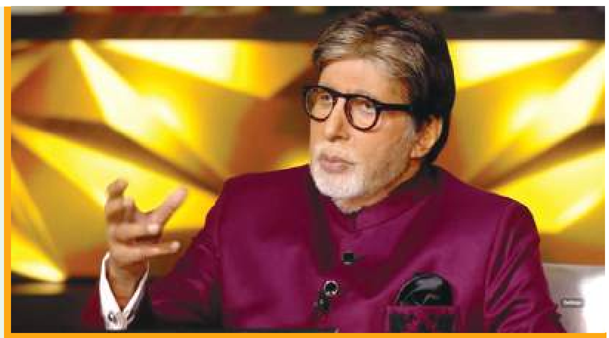

अपने रिटायरमेंट की खबरों पर बिगबी ने दी सफाई

मैं काम से रिटायर अभी नहीं हो रहा हूं

अमिताभ बच्चन इन दिनों 'केबीसी 18' होस्ट कर रहे हैं। वहीं व्यक्तिगत रूप से नह ब्लॉग के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने रिटायरमेंट की इच्छा जताई थी। अब इस पर एक्टर ने अपनी बात रखी है। उनकी रिटायरमेंट से जुड़ी खबरें आने के बाद बिग भी ने अपना अगला ब्लॉग इसी पर लिखा। उन्होंने स्थिति साफ करते हुए कहा, 'जी नहीं हुजूर, मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा हूं। इसका मतलब था कि मैं सोने जा रहा हूं, और वहां आपको आने की अनुमति नहीं है।'

अमिताभ बच्चन ने अपने पुराने ब्लॉग में लिखा था, 'कुछ प्रतिभागी इतनी गंभीर निजी कहानियां लेकर आते हैं कि न सिर्फ उनके लिए अपनी भावनाओं को संभालना, बल्कि शो को होस्ट करते रहना भी मुश्किल हो जाता है। मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करूंगा क्योंकि इससे चैनल और होस्ट के बीच कुछ गलतफहमी हो सकती है। मगर यह अनुभव दिल तोड़ने वाला रहा है।

'कौन बनेगा करोड़पति' क्विज शो सोमवार से शुक्रवार रात नौ बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन प्रसारित होता है। इस शो की शुरुआत ब्रिटिश शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' के भारतीय वर्जन के रूप में हुई थी। 'केबीसी से अमिताभ बच्चन ने टीवी पर पहली बार डेब्यू किया था। अमिताभ बच्चन को शो के होस्ट के रूप में दर्शकों ने खूब प्यार दिया।

बेटों के स्कूल के पहले दिन भावुक हुईं अभिनेत्री सेलिना जेटली

सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, वह पीटर हाग के साथ तलाक की लड़ाई को सुर्खियों में हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, वह अपने बेटों से भी दूर हैं। अब सेलिना ने बीते दिन इंस्टाग्राम पर अपने बेटों विंस्टन, विराज और आर्थर के लिए एक भावुक नोट शेयर किया, क्योंकि उनके बच्चों का नया स्कूल ईयर शुरू हो गया है। सेलिना ने अपने बेटों के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, मैं यह बात यहां इसलिए कह रही हूं, क्योंकि मैं अपने बेटों तक नहीं पहुंच सकती। मेरे बच्चों... स्कूल का नया साल शुरू हो रहा है। सुबह गले मिलने से लेकर, एक किस और एक बाय, मम्मी के लिए मैं क्या कुछ नहीं कर सकती। कभी मैं तुम्हारी स्कूल की किताबों पर कवर चढ़ाती थी। आज, मैं तुम्हें अपनी दुआओं में रखती हूं। स्कूल के पहले दिन के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं, मेरे प्यारे विंस्टन, विराज और आर्थर। मम्मी को स्कूल प्रोजेक्ट्स, किताबों पर कवर चढ़ाना और दुबई में तुम्हारे लिए बनाया गया लेडीबग शल्टूटेन याद है। स्कूल खुलने से एक हफ्ते पहले ही ऑस्ट्रिया में तुम्हारे लिए प्यार से स्नैक और लादी पाव बेक किया करती थी। कितने साधारण पल थे, लेकिन कितनी असाधारण खुशियां थीं।

अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, मैं तुम्हारे स्कूल के पहले दिन वहां नहीं रह पाऊंगी और मुझे डर है कि 2026 के बाकी दिनों में भी शायद मैं तुम्हारे साथ न रह सकूं। इस दर्दनाक स्थिति से मेरा दिल टूट जाता है। बड़ों के बीच चाहे जो भी हो, मेरी दिली ख्वाहिश है कि तुम रोजमर्रा के ये पल अपने दोनों माता-पिता के साथ खुलकर शेयर कर सको। काश मैं घर लौटने पर तुम्हारी हर छोटी-बड़ी बात सुन पाती। तुम्हें अच्छे दोस्त, बेहतरीन टीचर और ऐसा क्लासरूम मिले जहां तुम सुरक्षित, प्रोत्साहित और प्यार महसूस करो।

तलाक के मामले के बीच एक्ट्रेस ने आखिर में लिखा, मेरे बच्चों, तुम्हें कभी मम्मी-पापा में से किसी एक को नहीं चुनना पड़ेगा। तुम दोनों से प्यार कर सकते हो। मम्मी हमेशा इसका समर्थन करेंगी। हम दोनों में से किसी से भी प्यार करने के लिए तुम्हें कभी दोषी महसूस करने की जरूरत नहीं है। जब भी तुम संपर्क करना चाहो, मम्मा यहां है।

दो हफ्ते के अंदर ठोस भुगतान करें राजपाल यादव: सुप्रीम कोर्ट

राजपाल यादव ने चेक बाउंस से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राजपाल यादव को आखिरी मौका दिया है। अदालत ने राजपाल यादव को दो हफ्तों के अंदर एक ठोस भुगतान प्रस्ताव पेश करने को कहा है। साथ ही उन्हें सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में 2 करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया गया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की पीठ ने राजपाल यादव को फिलहाल सरेंडर करने से मिली छूट 5 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। मामले की अगली सुनवाई भी 5 अक्टूबर को होगी। यह मामला मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े चेक बाउंस मामलों का है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, साल 2010 में एक फिल्म के लिए राजपाल यादव को करीब 5 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी गई थी।

नाजा डॉक्यूमेंट्री पर विवादों का साया

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में नाजा डॉक्यूमेंट्री ने काफी ध्यान खींचा। इसे वहां स्पेशल जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया। फिल्म देखने वालों ने तालियां बजाईं। मगर, इसी के साथ यह फिल्म सवालों के घेरे में भी है। फिल्म के मेकर्स पर इस्राइल के खिलाफ नफरत फैलाने के प्रयास का आरोप है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिल्म पर सवाल उठाए हैं और इसे यहूदियों के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश बताया है। नाजा ब्रिटिश डॉक्यूमेंट्री फिल्म है, जो कथित तौर पर गाजा संघर्ष पर आधारित है। इसे 10 सितंबर 2026 को वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया है। फिल्म गाजा युद्ध के दौरान इस्राइली सेना द्वारा फिलिस्तीनी नागरिकों की बड़े पैमाने पर हो रही हत्याओं को दिखाती है। इस डॉक्यू फिल्म में सेना और इंटेलिजेंस के अंदरूनी सूत्रों के 24 इंटरव्यू का सहारा लिया गया है। इनकी पहचान गुप्त रखी गई है।

बदतर होती जा रही है अक्षय कुमार की हैवान

इन दिनों हनुमान अंश और मिर्जापुर द मूवी की बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है। वहीं अक्षय कुमार की फिल्म हैवान की हालत बदतर हो गई है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी अक्षय कुमार और सैफ अली खान स्टारर हैवान को रिलीज हुए केवल 5 दिन ही हुए हैं और इस फिल्म का कलेक्शन लाखों में गिर गया है। मंगलवार को इसने खबर लिखे जाने तक केवल 44 लाख की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 8.49 करोड़ हो

मिर्जापुर द मूवी की गिरी कमाई

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की फिल्म मिर्जापुर द मूवी 4 सितंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। हालांकि वीकएंड के बाद इसकी कमाई में हल्की गिरावट देखने को मिली है। मंगलवार को इसने 3.26 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 193.46 करोड़ हो गया है। फिल्म जल्द ही 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है।

40 दिन बाद भी टॉप पर है हनुमान अंश

फिल्म हनुमान अंश 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब इसको रिलीज हुए 40 दिन हो गए हैं। रिलीज के इतने दिन बाद भी फिल्म का तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म हनुमान अंश ने अपनी कमाई से सबको हैरान करके रख दिया है। फिल्म इतने दिनों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर टॉप पर है। मंगलवार को इसने 5.96 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 228.84 करोड़ हो गया है।

पश्चिम बंगाल में बागी टीएमसी गुट पर सियासी संकट विकट

दल-बदल मामले में टीएमसी गुट के 10 विधायकों को अयोग्यता नोटिस

» बंगाल विस सचिवालय ने 7 दिनों में मांगा जवाब

» बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ है बागी गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर शुरू हुआ अंदरूनी सत्ता संघर्ष अब औपचारिक दल-बदल विरोधी कानूनी कार्यवाही में बदल चुका है। पश्चिम बंगाल विधानसभा सचिवालय ने बागी टीएमसी गुट के 10 प्रमुख विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन विधायकों से ममता बनर्जी गुट द्वारा दायर अयोग्यता याचिका पर 7 दिनों के भीतर अपना आधिकारिक जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। यह कदम वरिष्ठ टीएमसी विधायक सोवनदेब चट्टोपाध्याय द्वारा सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया है। चट्टोपाध्याय ने बागी गुट के नेता और विपक्ष के नेता रितब्रत बनर्जी समेत 10 विधायकों को दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित करने की मांग की है। यह विवाद अब विधानसभा, अदालतों, संसद और चुनाव आयोग समेत कई मंचों पर चल रहा है। ये नोटिस रितब्रत बनर्जी, अरूप रॉय, फिरहाद हकीम, संदीपन साहा, अखरुज़्ज़मान अंसारी, शिउली साहा, सबीना यास्मीन, बिप्लब मित्रा, जावेद खान और रथिन घोष को जारी किए गए। विधानसभा सूत्रों ने बताया कि उनसे सात दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है।

यह संकट मई में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की हार के बाद पैदा हुआ था। यह टकराव संसद तक भी पहुंच गया है, जहां बागी गुट के 20 लोकसभा सांसदों ने टीएमसी छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया जॉइन कर ली है, जो बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ है। लोकसभा सचिवालय ने भी दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की याचिकाओं पर इन 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद जारी किए गए, जिसमें लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने का निर्णय लिया गया था।

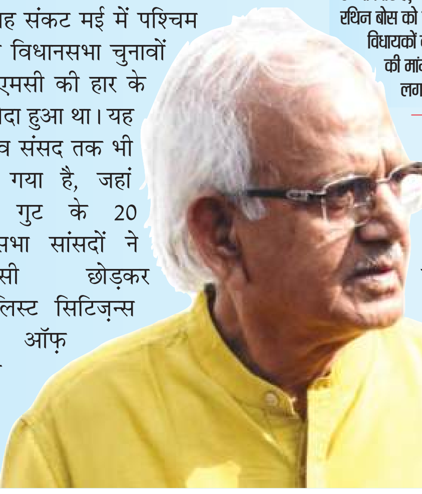

पार्टी के भीतर इस मामले पर होगी चर्चा : अंसारी

यह मामला मंगलवार देर रात सामने आया, जब अंसारी ने नोटिस मिलने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हम पार्टी के भीतर इस मामले पर चर्चा करेंगे और समय पर उसी के अनुसार जवाब देंगे। चट्टोपाध्याय, जो विधानसभा में विपक्ष के नेता पद के लिए ममता बनर्जी गुट के उम्मीदवार हैं, ने 7 जुलाई को स्पीकर रथिन बोस को पत्र लिखकर 10 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि इन विधायकों ने पार्टी के हितों के खिलाफ काम किया है। विपक्ष के नेता की नियुक्ति का मुद्दा पहले से ही कलकत्ता हाई कोर्ट में है, जहां चट्टोपाध्याय ने इस पद के लिए रितब्रत बनर्जी को मान्यता देने के स्पीकर के फैसले को चुनौती दी है। दल-बदल विरोधी कार्यवाही उन घटनाओं के बाद शुरू हुई जब ममता बनर्जी गुट द्वारा चट्टोपाध्याय को नामित किए जाने के बावजूद रितब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया गया। बागी गुट ने पार्टी के 80 में से 65 विधायकों के समर्थन का दावा किया है। बाद में उन्होंने अंसारी को मुख्य सचेतक (चीफ़ व्हिप) चुना और पार्टी नेतृत्व के अधिकार को चुनौती देते हुए समानांतर संगठनात्मक गतिविधियां शुरू कीं।

कल्याण बनर्जी ने संभाला मोर्चा

पार्टी नेता और वकील कल्याण बनर्जी ने कहा है कि याचिका में विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग उसी आधार पर की गई है, जैसा बागी सांसदों के खिलाफ कार्यवाही में बताया गया था। हालाँकि, बागी गुट ने इस कदम को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है और विधानसभा सचिवालय के नोटिस को सामान्य प्रक्रिया करार दिया है।

टीएमसी की रैली को मिली अनुमति के खिलाफ याचिका पर 17 सितंबर को सुनवाई

कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक पीठ 17 सितंबर को पश्चिम बंगाल सरकार की उस पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक निजी ज़मीन पर जनसभा करने की अदालत से मिली मंजूरी को चुनौती दी गई है। यह जनसभा 11 सितंबर को होनी थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी। अतिरिक्त महाधिवक्ता बिल्वदल भट्टाचार्य ने मंगलवार को अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने मुख्य न्यायाधीश रवींद्र विट्ठलराव घुगे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ की अनुमति से पुनर्विचार याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि पुनर्विचार याचिका पर 17 सितंबर को सुनवाई होगी। खंडपीठ ने राज्य सरकार और निजी जमीन के मालिक को पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी। राज्य सरकार और ज़मीन के मालिक ने खंडपीठ के सामने यह सवाल उठाया कि क्या जगन्नाथ ज्यू ट्रस्टी बोर्ड की ज़मीन पर कोई राजनीतिक रैली, आंदोलन या बैठक की जा सकती है। एकल पीठ के आदेश पर श्रीरामपुर में एक निजी ज़मीन पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जनसभा आयोजित की जानी थी। राज्य सरकार और निजी मालिक की अपील को वापस लिए जाने के आधार पर निपटाते हुए, खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश पीठ से अनुरोध किया कि अगर कोई पुनर्विचार याचिका दायर की जाती है, तो उस पर 25 सितंबर तक फैसला किया जाए।

दिशा सालियान केस से ठाकरे परिवार को बदनाम करने की साजिश: राउत

» बोले- कोर्ट में किसी का नाम नहीं लिया पर मीडिया में नाम लिए जा रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया है कि दिशा सालियन मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर ठाकरे परिवार की छवि खराब करने की कोशिश है। सांसद ने कहा कि सालियन की मौत के मामले में आया नया मोड़ एक राजनीतिक साजिश है। नेता ने कहा कि जिस तरह से यह मामला कोर्ट पहुंचा और कोर्ट ने मामला सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया, वह एक साज़िश है।

आदेश में खास तौर पर सीबीआई जांच की बात कही गई है, लेकिन किसी का नाम नहीं लिया गया है। फिर भी मीडिया में नाम लिए जा रहे हैं। यह प्रतिक्रिया तब आई है जब सीबीआई ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर सालियन की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज की है। उनके पिता की याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, एफआईआर में किसी भी आरोपी का नाम नहीं है। राउत ने कहा कि सीबीआई जांच का इस्तेमाल आदित्य ठाकरे को निशाना बनाने के लिए एक हथियार के तौर पर किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र सरकार पर कई सार्वजनिक मुद्दों को लेकर हमला करते रहे हैं। राउत ने कहा कि यह ठाकरे परिवार की छवि खराब करने के लिए एक राजनीतिक साजिश है, क्योंकि यह परिवार लोगों के दिलों में बसा हुआ है।

यूसीसी पर बीजेपी के इशारे पर जदयू कर रही काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के सवाल पर स्पष्ट रुख अपनाने से हिचकिचाकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ''भाजपा के इशारे पर काम'' कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू की मौजूदा स्थिति के लिए यादव ने उसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने पत्रकारों से कहा, संजय झा ने जदयू को बर्बाद कर दिया है। वह भाजपा की इच्छा के अनुसार पार्टी चला रहे हैं। अब जदयू केवल भाजपा के इशारे पर काम करती है। इस मामले में भी वही हुआ है।

तेजस्वी यादव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस हालिया बयान पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें शाह ने

कहा था कि29 तक राजग शासित 22 राज्यों में यूसीसी लागू की जाएगी। करीब एक दशक पहले भाजपा छोड़कर जदयू में शामिल हुए संजय झा ने कहा है कि वह इस मुद्दे पर अमित शाह से चर्चा करेंगे, जबकि बिहार में पार्टी के नेता अलग-अलग राय रखते नजर आ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री एवं जदयू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि पार्टी यूसीसी विधेयक के प्रावधानों का अध्ययन करेगी और यदि उसमें कोई आपत्तिजनक बात नहीं होगी तो

» तेजस्वी बोले- संजय झा ने जदयू को बर्बाद कर दिया

सिर्फ विरोध के लिए विरोध नहीं करेगी। वहीं, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने कहा था कि संसद में यूसीसी विधेयक लाए जाने के समय नीतीश कुमार ने केंद्र से कहा था कि विधेयक का समर्थन करने के बावजूद जदयू बिहार में इसे लागू किए जाने का विरोध करेगी। यूसीसी का लगातार विरोध करते रहे तेजस्वी यादव ने दोहराया, हम इस तरह के कानून के विरोध में रहे हैं और हर स्तर पर इसका विरोध करते रहेंगे। बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बुधवार को बिहार दौरे के संबंध में पूछे जाने पर यादव ने राज्य सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, क्या केंद्र को बिहार की भाजपा नीत सरकार पर भरोसा नहीं है?

यूसीसी पर रुख तय करने से पहले कानून की समीक्षा करेगी जदयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यूसीसी पर किए गए ऐलान के बाद बिहार में नई राजनीतिक सरगर्मी शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों की बैठक बुलाई है। यह बैठक 18 सितंबर को पटना में जदयू दफ्तर में होगी। खबरों के मुताबिक, बैठक में यूसीसी पर चर्चा होने की उम्मीद है और एजेंडे में फरक्का जल संधि शामिल हो सकती है।

यह घटनाक्रम शाह के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि 29 के लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी के नेतृत्व वाल एनडीए की सरकार वाले सभी 21 राज्यों में यूसीसी लागू किया जाएगा। इस घोषणा ने नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है, खासकर जदयू जैसे एनडीए सहयोगियों के बीच।

टी20 में भारत की अफगानिस्तान पर लगातार 10वीं जीत

» दूसरे मैच में सात विकेट से हराया, संजू सैमसन ने जड़ा अर्धशतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को दूसरे टी20 मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। भारत के लिए इस मैच में जहां नीतीश रेड्डी ने गेंदबाजी में प्रभावित किया, वहीं, सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने फॉर्म में वापसी करते हुए अर्धशतक लगाया।

भारत ने अभी तक टी20 इतिहास में अफगानिस्तान के खिलाफ कोई मैच नहीं गंवाया है। भारत ने दबदबा बरकरार रखते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार 10वां टी20 मुकाबला जीता। ये टी20 में भारत के खिलाफ किसी टीम की लगातार सर्वाधिक हार है। अफगान ने इस मामले में बांग्लादेश को पीछे छोड़ा। बांग्लादेश ने 2019 से 2025 के बीच भारत के खिलाफ लगातार नौ मैच गंवाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और अभिषेक ने टीम इंडिया को मजबूत शुरुआत दिलाई। सैमसन ने एशियाई खेलों से ठीक पहले फॉर्म में वापसी की और भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सैमसन और अभिषेक के बीच पहले विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी हुई जिसे राशिद ने अभिषेक को आउट कर तोड़ा। भारत के लिए सैमसन ने 22 गेंदों पर सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 57 रन बनाए। वहीं, अभिषेक ने 39 और कप्तान श्रेयस ने 11 रन बनाए। ईशान किशन 23 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 38 और तिलक वर्मा ने 14 गेंदों पर एक चौके की मदद से नाबाद 15 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए तीनों विकेट राशिद खान ने लिए।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में पंत को मिल सकता है मौका

मुंबई। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम चयन कई बड़े सवालों के जवाब दे सकता है। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाला चयन पैनल टीम चुनेगा और यह अगरकर की आखिरी चयन बैठक होगी, क्योंकि उनका कार्यकाल अक्तूबर की शुरुआत में खत्म होने वाला है। इस बैठक में सबसे ज्यादा नजर रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या पर रहेगी। विकेटकीपिंग में केएल राहुल पहली पसंद बने रहने की संभावना है, लेकिन ईशान किशन के एशियाई खेलों के दल में होने से दूसरे विकेटकीपर की जगह के लिए ऋषभ पंत और ध्रूव जुरेल के बीच मुकाबला हो सकता है। पंत ने दो साल से ज्यादा समय से कोई वनडे नहीं खेला है, जबकि जुरेल ने अभी तक इस प्रारूप में डेब्यू नहीं किया है। पंत या जुरेल में से कोई एक विकल्प मध्यक्रम के बैकअप बल्लेबाज की भूमिका भी निभा सकता है। कुलदीप यादव भी वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन मैच खेलने की स्थिति में हैं।

योगी जी! ऐसे ही बचेगी बेटी और पढ़ेगी बेटी

» सरकार के नाक के नीचे नाबालिग बच्चियों का शोषण
» बाराबंकी से लखनऊ तक नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप
» पुलिस ने शुरू की कथित नेटवर्क की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अभियान में जुटी है योगी सरकार तो दूसरी ओर सरकार की नाक नीचे राजधानी में नाबालिग बच्चों को गलत धंधे में धकेलने का काम किया जा रहा है। हालांकि पुलिस को जब इसका पता चला तो उसने जांच करके नेटवर्क की छानबीन शुरूकर दी है।

बता दे बाराबंकी के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर लखनऊ ले जाने और चारबाग क्षेत्र के कुछ होटलों में कथित रूप से देह व्यापार में धकेले जाने के आरोपों ने पुलिस जांच का दायरा बढ़ा दिया है। मामले में सौरभ मिश्रा, शालू यादव और शिवानी वर्मा के नाम सामने आए हैं। पुलिस कथित नेटवर्क और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

परिजनों के मुताबिक, नाबालिग बच्ची घर से यह कहकर निकली थी कि वह बिलहारा पावर हाउस के पास स्थित पेपर मिल में एक परिचित के घर जा रही है। काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बच्ची के पिता का आरोप है कि शिवानी वर्मा उसे महमूदाबाद स्थित संकटा देवी मेले में ले जाने के बहाने अपने साथ लेकर गई थी। इसके बाद बच्ची को लखनऊ ले जाने की बात सामने आई। जांच के दौरान लखनऊ के थाना विस्तार के अंतर्गत खरगापुर क्षेत्र में रहने वाले सौरभ मिश्रा और शालू यादव के नाम सामने आए।

सौरभ मिश्रा चारबाग के होटलो में चलाता है सेक्स रैकेट

अपार्टमेंट से बरामद हुई नाबालिग

मामले में उस समय नया मोड़ आया, जब नाबालिग के लखनऊ के खरगापुर क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट में होने की जानकारी गौतमपल्ली थाने की पुलिस को मिली 1090 चौराहे से पुलिस परिजनों के साथ पहुंची खरगापुर जहाँ से बच्ची को बरामद किया परिजनों के अनुसार, बच्ची ने कथित तौर पर चोरी से अपने पिता के मोबाइल नंबर पर फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी। परिजनों का आरोप है कि बच्ची को अपार्टमेंट में रोका गया था। इसी दौरान वहां मौजूद सौरभ मिश्रा से कहासुनी होने की बात सामने आई। इसके बाद सौरभ मिश्रा द्वारा 112 पर फोन कर अपहरण की सूचना दिए जाने की जानकारी सामने आई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की। इसके बाद नाबालिग को सकुशल बरामद कर परिवार के सुपुर्द किए जाने की जानकारी है। मामले में गौतमपल्ली पुलिस की भूमिका भी सामने आई है।

छेड़खानी और जातिसूचक शब्दों के आरोप

परिजनों ने सौरभ मिश्रा पर नाबालिग के साथ बंद कमरे में छेड़खानी करने तथा जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। पुलिस मामले से जुड़े सभी आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। परिजनों का आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद सौरभ मिश्रा ने स्वयं 112 पर कॉल किया और पुलिस को बच्ची के अपने पास होने की सूचना दी। इससे पहले हुसड़िया चौराहे पर बुलाने और बाद में 1090 चौराहे पर बुलाने की बात भी सामने आई है।

कथित नेटवर्क की भूमिका की जांच

बाराबंकी के जहाँगीराबाद थाने की पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नाबालिग को बाराबंकी से लखनऊ लाने में किन लोगों की भूमिका रही और लखनऊ में उसे किन परिस्थितियों में रखा गया। साथ ही चारबाग क्षेत्र के होटलों से जुड़े कथित नेटवर्क के आरोपों की भी जांच की जा रही है। शिवानी वर्मा की भूमिका को लेकर भी पुलिस ने पूछताछ किया परिजनों का आरोप है कि वह सौरभ मिश्रा और शालू यादव के संपर्क में थी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से युवतियों को लखनऊ लाने और उन्हें होटलों तक पहुंचाने में उसकी भूमिका थी। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

दो युवतियों समेत तीन गिरफ्तार

उधर, नाबालिग के अपहरण के मामले में बाराबंकी की जहांगीराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवतियों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तीनों के खिलाफ नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। मामले में पुलिस की जांच जारी है। कथित नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और नाबालिग को लखनऊ लाए जाने के पीछे की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है। गौतमपल्ली पुलिस ने बाराबंकी के जहाँगीराबाद पुलिस को बुलाकर तीनों आरोपियों को ले गई बाराबंकी पुलिस पूरी घटना देर रात रविवार की।

सीजेपी प्रोटेस्ट

हाई पावर्ड कमेटी में बदलाव नहीं

» सुप्रीम कोर्ट खारिज की याचिका
» शीर्ष अदालत बोली- आरोप कल्पना पर आधारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर मंतर पर सीजेपी और देश के अन्य हिस्सों में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई की जांच के लिए बनी हाई पावर्ड कमेटी में बदलाव की मांग सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। एक याचिका में कमेटी के कुछ सदस्यों की निष्पक्षता पर सवाल उठाया गया था।

कोर्ट ने कहा है कि आरोप अनुमान और कल्पना पर आधारित हैं, उनके पीछे कोई विश्वसनीय सबूत नहीं है। जुलाई के महीने में दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देश के कई हिस्सों में हुए छात्र प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस पर ज्यादा बलप्रयोग के आरोप लगे। मामले को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कमेटी बनाई थी. इस कमेटी को पूरे घटनाक्रम, पुलिस अधिकारियों की भूमिका और संपत्ति को हुए नुकसान की जांच करनी है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा था कि उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद कमेटी का गठन किया है। अब मामले में जारी लिखित आदेश में जजों ने कहा है कि कमेटी एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज के नेतृत्व में काम कर रही है। बिना किसी ठोस आधार के उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाना सही नहीं है. कोर्ट ने कहा कि कमेटी को उसका काम करने देना चाहिए।

प्रशांत भूषण ने दोबारा समिति बनाने की उठाई थी मांग

10सितंबर को हुई मामले की पिछली सुनवाई में वकील प्रशांत भूषण ने समिति को दोबारा गठित करने की मांग की थी. उन्होंने कमेटी में सदस्य बनाए गए एक पूर्व डीजीपी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे. उनका कहना था कि पूर्व डीजीपी कुछ ऐसे मौजूद अधिकारियों के करीबी हैं, जो जांच के दायरे में है. इसलिए, उनकी मौजूदगी से से निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है।

पीड़ितों व गवाहों की सुरक्षा का ध्यान रखें

लिखित आदेश में यह भी कहा गया है कि कमेटी जांच के दौरान समय-समय पर अंतरिम रिपोर्ट देगी. इसके आधार पर सुप्रीम कोर्ट आगे जरूरी निर्देश जारी कर सकता है. इसके साथ ही कोर्ट ने कमेटी भी निर्देश दिया है कि वह पीड़ितों व गवाहों की सुरक्षा का ध्यान रखे और जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट दे।

ईडी ने की बड़ी कार्रवाई अमृत ग्रुप के कोलकाता इंदौर में 17 ठिकानों पर रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कोलकाता और मध्य प्रदेश के इंदौर में कई जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई निवेश से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई, जिसमें कई निवेशकों के साथ धोखाधड़ी हुई थी।

यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत इन दोनों शहरों में अमृत ग्रुप की कंपनियों और उनके प्रमोटरों से जुड़ी लगभग 17 जगहों पर छापेमारी की गई।

अधिकारियों के मुताबिक, आरोप है कि कंपनियों के इस समूह और उनके निदेशकों ने ज्यादा रिटर्न का वादा करके अलग-अलग डिपॉजिट स्कीम के नाम पर आम लोगों से पैसे जमा किए, लेकिन वादा किया गया रिटर्न वापस नहीं किया।वहीं, अभी तक ईडी की इस कार्रवाई पर टिप्पणी के लिए कंपनी या उसके प्रमोटरों से तुरंत संपर्क नहीं हो सका।

जलभराव छिपाने के लिए भाजपा ने डलवाई रेत की बोरियां : अजय राय

» वाराणसी में सीवर विवाद पर यूपी कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी में सीवर मैनहोल में रेत की बोरियां मिलने की घटना की जांच हो रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि भारी बारिश के बाद जलभराव की समस्या से ध्यान हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने ये बोरियां वहां रखवाई थीं। राय ने वाराणसी में भारी जलभराव के मुद्दे पर बात करते हुए सवाल उठाया कि अधिकारियों को कैसे पता चला कि किस खास मैनहोल में रेत की बोरियां हैं।

अजय राय ने कहा कि उन्हें कैसे पता चला कि उसी खास मैनहोल से रेत की बोरियां निकालनी हैं? इससे साफ पता चलता है कि बीजेपी के लोगों ने ही वहां ये बोरियां रखवाई थीं। अगर ऐसा नहीं है, तो वहां 12 सीसीटीव कैमरे लगे हैं, फुटेज की जांच करें और सच सबके सामने आ जाएगा। रेत की बोरियां मिलने के बाद जल निगम ने एफआईआर र्ज कराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को वाराणसी से वडनगर तक बीजेपी की प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान बाइक रैली पर टिप्पणी करते हुए, राय ने पार्टी को राजनीतिक अभियान चलाने के बजाय पूरे हो चुके शहरी बुनियादी ढांचे को दिखाने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बड़े नेता यहां आ रहे हैं। अगर उनमें हिम्मत है, तो वे वाराणसी रोपवे में बैठकर उसका उद्घाटन करें। जन्मदिन समारोह के बहाने, ये लोग केवल चुनाव की तैयारी कर रहे हैं क्योंकि वे हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं। राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की भी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि 29 से पहले सभी बीजेपी-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी।

मेरठ : छह भवनों पर चला बुलडोजर, कार्रवाई जारी

» मेरठ सेंट्रल मार्केट में चला ध्वस्तीकरण, भारी पुलिस फोर्स तैनात, व्यापारियों की अधिकारियों से वार्ता विफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई है। 44 सील भवनों में से बुधवार को छह भवनों पर कार्रवाई की जा रही है। पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है और बाजार की सीमाओं पर बैरिकेडिंग कर आवाजाही रोकी गई है।

सेंट्रल मार्केट में जारी ध्वस्तीकरण कार्रवाई के बीच संयुक्त मेरठ बचाओ आंदोलन समिति के अध्यक्ष रविंद्र गुर्जर भी मौके पर पहुंचे। उनके साथ कुछ लोग जैना ज्वेलर्स के मकान में मौजूद हैं। वहीं, एडीएम सिटी, एसपी सिटी समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर बैठे हुए हैं। क्षेत्र में भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच ध्वस्तीकरण कार्रवाई जारी है।

शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण कार्रवाई लगातार जारी है। कार्रवाई के दौरान एक कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त कर दिया गया। मौके पर बुलडोजर लगातार भवनों को तोड़ने की कार्रवाई कर रहे हैं और भारी पुलिस बल तैनात है। इधर, व्यापारियों ने अधिकारियों से वार्ता की, लेकिन बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में नाराजगी बनी हुई है। सेंट्रल मार्केट में कार्रवाई के बीच कुछ व्यापारी अपने-अपने प्रतिष्ठानों के बाहर बैठे हुए हैं। व्यापारी मौके पर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। बताया गया कि सुबह कुछ महिलाएं भी मौके पर पहुंची थीं। पुलिस ने उन्हें वहां से वापस लौटा दिया। इसके बाद महिलाएं कार्रवाई स्थल से लौट गईं।

मीडिया को कवरेज से रोका

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की कवरेज कर रहे मीडिया कर्मियों को पुलिस ने मौके पर रोक दिया है। एसपी सिटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कार्रवाई स्थल पर मीडिया की एंट्री और कवरेज को लेकर रोक लगाई जा रही है। मीडिया कर्मी इसका विरोध कर रहे हैं और अधिकारियों से कवरेज की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं। यहां तक कि बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहे अभिभावक बच्चों को दूसरे रास्तों से लेकर गए।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com ।website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा